PART-1

पुनर्जागरण काल की भौगोलिक उपलब्धियाँ

षषषश भाग:-1

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

पुनर्जागरण काल की भौगोलिक उपलब्धियाँ (Geographical Achievements in Renaissance Period)

पुनर्जागरण काल की मुख्य तीन भौगोलिक उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैं:-

(i) नवीन क्षेत्रों की खोज-

तेरहवीं से सत्रहवीं शताब्दी तक का समय नवीन खोजों और अन्वेषणों के लिए जाना जाता है। इस अवधि में पश्चिमी यूरोप के खोज यात्रियों ने अत्यंत लम्बी-लम्बी साहसिक यात्राएं किया और अनेक नये-नये महाद्वीपों, द्वीपों, देशों, महासागरों, सागरों, समुद्री मार्गों आदि का पता लगाया। मार्कोपोलो, कोलम्बस, वास्को-डी-गामा, मैगेलन, जान केबोट, अमेरिगो वसपुक्की, फ्रांसिस ड्रेक, हडसन और तस्मान पुनर्जागरण काल के प्रसिद्ध खोज

यात्री थे कोलम्बस ने नयी दुनिया (New World) उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका की खोज किया। मैगेलन ने यूरोप से दक्षिणी अमेरिका के दक्षिणी छोर (मैगेलन जलसंधि) से होकर पूर्वी एशिया के लिए समुद्री मार्ग की खोज की थी । वास्को-डी-गामा ने यूरोप से अफ्रीका के दक्षिणी छोर (उत्तमाशा अंतरीप) का चक्कर लगाते हुए भारत तक के समुद्री मार्ग की खोज किया था। अमेरिगो वसपुक्की ने दक्षिणी अमेरिका की मुख्य भूमि और दक्षिण में अंटार्कटिका के पास स्थित जार्जिया द्वीप की खोज की थी। जान कैबोट और हडसन ने उत्तरी अमेरिका के उत्तर-पूर्व में स्थित द्वीपों (न्यू फाउण्डलैंड आदि) और खाड़ियों का पता लगाया। तस्मान ने आस्ट्रेलिया के दक्षिण स्थित तस्मानिया द्वीप की खोज की थी।